ब्रेकिंग न्यूज...

मतगणना प्रशिक्षण की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मतगणना की तैयारियों को लेकर विभिन्न तकनीकी पहलुओं को जिला स्तरीय अधिकारियों को बताने के लिए गहन मंथन किया। भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शी बिंदुओं के अनुरूप प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के लिए विधानसभावार मतगणना करने हेतु की जाने वाली तैयारियों और व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यू. एस. अग्रवाल, श्रीकांत वर्मा, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री पुलक भट्टाचार्य, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनीष मिश्रा और जागेश्वर कौशल तथा अन्य अधिकारियों ने मतगणना को लेकर दिए जाने वाले प्रशिक्षण के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इसके तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया।

अरबन फारेस्ट विकसित करने बनेगी गाइड लाईन

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

अरबन फारेस्ट किसी भी शहर के पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। यह पारिस्थितिकी संतुलन पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए रायपुर शहर के आस-पास और रायपुर शहर के लिए अरबन फारेस्ट तैयार किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव सीके खेतान ने आज वन विभाग और भारतीय वन सेवा संघ के सदस्यों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में कार्ययोजना बनाने हेतु गाइड लाइन तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने विभाग द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रमों को चिन्हित करते हुए 3-4 अच्छी मार्गदर्शिका तैयार करने पर बल दिया। इसके लिए तीन विषय संयुक्त वन प्रबंधन, नदी तटरोपण और हरियाली प्रसार योजना का चयन किया गया।

सूने मकान में लगी आग

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राजधानी के सड्डू कालोनी से लगे अर्जुनीवेली कालोनी में स्थित एक सूने पड़े मकान में आज सुबह अचानक आग लगने से घर में रखा सामान जलकर खाक हो गया। आगजनी की सूचना पाकर जब पुलिस और फायर ब्रिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची तो उक्त मकान में लगा ताला टूटा पाया गया, जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि मकान में चोरी भी हुई है। फिलहाल पुलिस घटना की तफ्तीश में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनीवेली कालोनी में स्थित एक मकान में आज सुबह आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बूझाने में जुट गई। जिस मकान में आग लगी उसके आसपास रहने वालों ने बताया कि मकान में ताला लगा हुआ था।

पीपीटी और प्रीएमसीए प्रवेश परीक्षा 9 को

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा पी.पी.टी. और प्री.एम.सी.ए. प्रवेश परीक्षा आगामी 9 मई को आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली में पी.पी.टी परीक्षा सुबह 9.00 बजे से 12.15 बजे तक व्यापम द्वारा निर्धारित 5 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होगी। द्वितीय पाली में प्री.एम.सी.ए. की परीक्षा अपरान्ह 2.00 से 5.15 बजे तक व्यापम द्वारा निर्धारित दो परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होगी। परीक्षा के लिए डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पूनम शर्मा को नोडल अधिकारी एवं समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन के.एस. पटले को कंट्रोल रूम प्रभारी अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। कलेक्टोरेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक 6 में कंट्रोल रूम की स्थापना किया गया है।

इंद्रावती बचाने एकजुट हुआ सर्व समाज

सभी समाज से एक स्वर में कहा जल है तो कल है, वाटर हार्वेस्ट किये जाने पर भी दिया गया बल

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

इंद्रावती समस्या को लेकर शनिवार को चेंम्बर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गईण्आयोजित बैठक में जगदलपुर के सभी समाज के लोगों ने हिस्सा लिया और एक स्वर में इंद्रावती को बचाने लड़ाई लड़ने की बात कही। इंद्रावती नदी को बचाने के लिए आयोजित बैठक में ब्राह्मण समाज, करण समाज जैन समाज, राजपूत समाज, सर्व आदिवासी समाज, सिंधी समाज, साहू समाज, सर्व ब्राह्मण समाज, सिख समाज, आंध्रा समाज, क्षत्रिय समाज, मसीह समाज, मुश्लिम समाज, निषाद समाज, महारा समाज, यादव समाज, गुजराती समाज, बंगीय समाज, पंजाब सनातन धर्म सभा, गायत्री परिवार, शिवम् योग समिति, किसान संघ, सहित सभी समाजों ने हिस्सा लेकर इंद्रावती को बचाने एक बड़ा अभियान छेड़ने की बात कहीण्बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने जल संकट को लेकर पड़ोसी राज्य उड़ीसा को जिम्मेदार ठहराया। लोगों का कहना था कि जब तक इसका स्थाई समाधान ना हो तब तक बस्तरवासी चुप नहीं बैठेंगे। इसके लिए उन्हें बड़ा आंदोलन छेड़ना पड़े तो वे तैयार हैं। लोगों का मानना है छत्तीसगढ़ सरकार उड़ीसा सरकार से जल बंटवारे को लेकर चर्चा करें और दबाव बनाकर इंद्रावती में ग्रीष्मकाल के दौरान भी पानी लाये और इस पर पहल करें। बैठक में लोगों ने यह भी कहा कि 1975 में हुए समझौते का अमल आजतक उड़ीसा सरकार नहीं कर रही है। इसके लिए एक बड़े जन आंदोलन की आवश्यकता है। लोगों को नदी के किनारे बैठना पड़े तो वे तैयार हैं। बस्तर को जल संकट से दूर करना हर बस्तरवासी की जिम्मेदारी बनती है। इस मौके पर समस्त समाज के लोगों को एक एक पौधे भी दिए गए तथा इंद्रावती बचाने के लिए आगामी दिनों में शुरू होने जा रहे पदयात्रा के लिये भी चर्चा की गई। अगले एक-दो सप्ताह के अंदर उड़ीसा सीमा से लेकर चित्रकोट तक पैदल मार्च करने की योजना बनाई गई जिसमें सभी समाज के लोग और ग्रामवासी हिस्सा लेंगें। 8 दिनों में पूरी होने वाली यह यात्रा प्रतिदिन नदी किनारे प्रत्येक गांव से होकर गुजरेगी। नदी किनारे बसे ग्रामों में वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा ताकि बस्तर में नदी के साथ-साथ पर्यावरण को भी बचाया जा सके। इस अवसर पर चेंम्बर के अध्यक्ष किशोर पारेख ने अभियान की जानकारी देते बताया कि तत्कालीन मध्य प्रदेश और ओड़िसा सरकार के बीच हुए अनुबंध में ओडिसा ने इंद्रावती नदी में अपने सारे प्रोजेक्ट पूरे कर लिए मगर छत्तीसगढ़ में एक भी योजना पूर्ण नहीं हुई इससे यह स्पष्ट होता है कि उड़ीसा सरकार छत्तीसगढ़ को पानी देना ही नहीं चाहती और छत्तीसगढ़ में योजनाओं को लागू करने सरकार गंभीर नहीं है। अब समय आ गया है कि लोगों को आने वाले भविष्य को देखते हुए जल बचाने के लिए आगे आना होगा अन्यथा आने वाला कल बस्तर के लिए पीड़ादायक साबित होगा, रोटरी क्लब के सदस्य श्रीनिवास राव मद्दी ने कहा की आज की स्थिति में लोगों को वाटर हार्वेस्ट करने की आवश्यकता है।

इसके लिए स्वयं शहर के लोग आगे आकर अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाएं ताकि इससे जल का लेवल समकक्ष रखा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इंद्रावती बचाने को लेकर लोगों को अब जागरूक होना पड़ेगा, निषाद समाज के अध्यक्ष एमआर निषाद ने कहा की नदियों में पानी नहीं होने से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों और मछुआरों को होता है। हमें एकजुटता के साथ अभियान को बृहद रूप देना होगा, सामाजिक संगठन से जुड़ी उर्मिला आचार्य ने बैठक में कहा कि इंद्रावती नदी बचाने के लिए ढाई सौ से अधिक महिलाएं अपनी सेवा देने को तैयार हैं। महिलाओं को इकट्ठा करना कोई उपलब्धि नहीं है हम इंद्रावती नदी को लेकर दुखी हैं। पूर्व पार्षद अनिमा अधिकारी का कहना है की विकराल हो चुकी इंद्रावती जल समस्या पर सरकार को भी ध्यान देना होगा, राजनीतिक दल को अभियान में शामिल कर सीएम तक बात पहुंचाया जाना चाहिये ताकि प्रदेश के मुख्यमंत्री उड़ीसा सरकार से चर्चा कर इंद्रावती नदी को पानी देने के लिए दबाव बना सकें। पूर्व निगम अध्यक्ष योगेंद्र पांडे ने कहा कि जगदलपुर वासियों में एकता है और इसे ताकत के रूप में हमें उपयोग में लाना चाहिएए बगैर राजनीतिक लोगों के लिये यह संभव नहीं है। इंद्रावती के लिए हमें लंबी लड़ाई लड़नी होगी, आंध्र समाज ने अभियान की तारीफ करते कहा कि जो भी निर्णय अभियान के लिए होगा समाज हमेशा तत्परता के साथ सहयोग के लिए खड़ा मिलेगा। इसी प्रकार करण समाज के सुरेश दलई ने इंद्रावती को लेकर गंभीरता जताते हुए कहा कि हमें इंद्रावती बचाने के साथ-साथ बस्तर का पर्यावरण असंतुलन भी करना होगा, इसके लिए पेड़ लगाने की भी आवश्यक है। आने वाला कल कष्टदायक ना हो इसका भी ध्यान बस्तर वासियों को रखना होगा, बैठक में संपत झा ने कहा कि उनकी टीम लगातार उन ग्रामीणों से संपर्क कर रही है जिनके गांव इंद्रावती नदी किनारे बसी है। शहरवासियों के अलावा गांव वाले भी पानी को लेकर चिंतित हैं और वे पूरी तरह आंदोलन को समर्थन देने की बात कह रहे हैं। श्री झा ने बताया की उड़ीसा के प्रत्येक गांव में हरियाली ही हरियाली देखने को मिलेगी लेकिन छत्तीसगढ़ के खेत खलियान बजंर जैसे नजर आने लगे हैं।

जल्द इंद्रावती की समस्या हल नहीं हुई आने वाला कल दुखदाई होगा, पद्मश्री धर्मपाल सैनी ने जल संकट को गंभीरता को लेते हुए सभी वर्गों के लोगों को आगे आने की बात कही उनका मानना है कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना और जल बचाने से बस्तर पूर्व की तरह खिलता मुस्कुराता रहेगा इसलिए लोग जागरूक होकर सरकार पर दबाव बनाए ताकि इस समस्या का स्थाई समाधान हो सके। बैठक में सभी समाज के प्रमुखों ने अपनी अपनी बातें रखी। सबका मानना था कि राज्य की सरकार ओडिसा पर दबाव बनाए, समझौते के तहत मिलने वाला 47 टीएमसी पानी बस्तर को मिलना चाहिए, जोरानाला में बंद पड़े स्ट्रक्चर का भी काम आगे बढ़ाना चाहिए ताकि गर्मी के वक्त बस्तर को उतना पानी मिल सके कि लोग पानी के संकट से जूझे नाण्चेंबर भवन में एकत्रित लोगों ने यह भी कहा है कि वे इंद्रावती बचाने के लिए कभी भी कहीं भी वे आने को तैयार हैं।

अगर इंद्रावती में पानी आती रही तो आने वाला भविष्य उज्जवल होगा, लोगों को पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए इंद्रावती को बचाना अतिआवश्यक है। बैठक में निर्णय लिया गया कि अक्षय तृतीया के दिन 7 मई को इंद्रावती नदी में भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा, साथ ही अगले चरण में पदयात्रा, धरना प्रदर्शन जैसे आयोजन किए जाएंगे, बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि सभी धर्म संप्रदाय के लोग सरकार पर दबाव बनाने के लिए समय समय पर धरना प्रदर्शन रैली इत्यादि करते रहेंगें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संतोष जैन, पुखराज बोथरा, किशोर पारेख, श्रीनिवास राव मद्दी, रत्नेश बेंजामिन, धर्मपाल सैनी, सुभाष पांडे, योगेंद्र पांडे, सुरेश दलई, अनिल लुक्कड़, विजय भारत, मगराज खत्री, संपत झा ऋषि हिमानी, प्रफुल्ल मिश्रा, के नागार्जुन रावए, मआर निषाद, जेपी जैन, वासुदेव रावएजगतार सिंहएरोहित आर्य परमेश राजा, सुश्री उर्मिला आचाय, श्रीमती गायत्री आचार्य सहित समाज के अन्य लोग और अभियान से जुड़े सदस्य मौजूद थे।

निरीक्षण के लिए अब बनेगा रोटेशन

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

तहसीलों के कामकाज के निरीक्षण के लिए रोस्टर बनेगा। इसमें कलेक्टर अंकित आनंद सहित अन्य आला अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण के लिए तहसील पहुंचेंगे। कलेक्टर अंकित आनंद ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजस्व संबंधी प्रकरणों के अलावा जरूरी रजिस्टरों के संधारण पर भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व संहिता के अनुसार किसी भी प्रकरण में जितनी तरह की प्रशासनिक प्रक्रिया की जाती है उनका पालन हो रहा है या नहीं, यह देखा जाएगा। ,

तहसील कार्यालय में ऐसा न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी-कर्मचारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि रिकार्ड पूरी तरह दुरुस्त होने और विधिवत संधारित होने से कार्य सहज हो जाता है और आवेदकों को भी सेवाएं देना आसान होता है। उन्होंने कहा कि तहसीलों के भ्रमण के बाद फीडबैक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी ताकि कार्य के दौरान आने वाली परेशानियों अथवा अनुभवों से सिस्टम को और बेहतर करने नवाचार किये जा सकें। बैठक में भुइयां साफ्टवेयर में हुए परिवर्तन के संबंध में भी विस्तृत जानकारी अधिकारियों को दी गई। कलेक्टर ने बताया कि इस संबंध में राजस्व अधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण भी रखा गया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के पश्चात यह साफ्टवेयर और भी उपयोगी हो गया है। बैठक में अपर कलेक्टर संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी इस संबंध में अपने अधीनस्थ अमले को पूरी तरह से जानकारी दें।

बूढ़ातालाब के पास बजरंग दल का धरना धर्मांतरण के विरोध में.

दुर्घटनाजन्य 13 मुख्य स्थानों की पहचान कर लगाए गए संकेतक

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

बस्तर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए और विभिन्न स्थानों पर वाहन चालकों की असावधानी से होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस द्वारा 13 ऐसे दुर्घटनाजन्य स्थल पहचान किये हैं, जहां पर हल्की सी असावधानी से या लापरवाही से दुर्घटनायें घटित हो जाती हैं। इन स्थानों पर वाहन चालकों को व अन्य राहगीरों की सुरक्षा के लिए विभिन्न संकेतक बोर्ड व सावधानीपूर्वक रहने की सूचना लगाये जा रहे हैं, ताकि इसको देखकर वाहन चालक सतर्क हो जायें। उल्लेखनीय है कि शहर के भीतर होने वाले छोटी-मोटी दुर्घटनाओं का घटना तो नित्य की बात है, लेकिन शहर के बाहर राजमार्गों पर प्रतिदिन ऐसी दुर्घटनायें घटित हो रही हैं, जिनसे जान व माल का नुकसान होता है।

पुलिस और प्रशासन से इस संबंध में उपायों के लिए जनता ने आग्रह किया था, अब पुलिस हरकत में आई है। अब ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां दुर्घटनायें होने की प्रबल संभावना होती है। बीते तीन वर्षों में सबसे अधिक सड़क दुर्घटना होने वाले विशेष खतरनाक स्थलों को अब पहचाना गया है। इन स्थानों पर अब उपरोक्त उपाय किये जायेंगे।

इसके अलावा यातायात प्रभारी शिवशंकर गेंदले ने जानकारी दी कि ऐसे स्थानों पर वाहन चलाते समय लोगों को संकेतक व बोर्ड के माध्यम से सतर्कता रखने के लिए सलाह दी जायेगी व सावधानीपूर्वक वाहन चलाने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जायेगा, ताकि वाहन चालक इसे गंभीरता से लेते हुए वाहन चलाये। इन बोर्डों को ऐसे स्थान पर लगाया जा रहा है, जिसे दोनों ओर से आने जाने वाले वाहन चालक सरलता से देख सकें।

राजपुताना रॉयल्स ने वॉरियर्स, सनराइजर्स ने डेयर डेविल्स को हराया

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

लालबाग मैदान में चल रहे बस्तर प्रीमियर लीग के छठवें दिन जगदलपुर डेयर डेविल्स और जगदलपुर सनराइजर्स के बीच पहला और राजपुताना रॉयल्स और जगदलपुर वॉरियर्स के बीच दूसरा मैच हुआ। पहले मैच में जगदलपुर सनराइजर्स ने जगदलपुर डेयर डेविल्स को 18 रनों से हराया तो दूसरे मैच में जगदलपुर वॉरियर्स को राजपुताना रॉयल्स ने 67 रनों के बड़े अंतर से पटखनी दे दी। इस दौरान जगदलपुर सनराइजर्स के अभिषेक बनिक और राजपुताना रॉयल्स के करणदीप सिंह सग्गू मैन ऑफ द मैच रहे। पहले मैच में जगदलपुर सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए और जगदलपुर डेयर डेविल्स को 173 रनों का लक्ष्य दिया। इसमें सद्दाम और सूर्यवीर ने ओपनिंग करते हुए 4 ओवर में 26 रनों की साझेदारी की। वहीं फर्स्ट डाऊन में अभिजीत मैदान में उतरे और 17 गेंदों का सामना कर महज 7 रन बनाकर राजीव की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। जबकि सद्दाम ने 15 गेंदों में 11 रन बनाए। खेल के 6 ओवर में दूसरा विकेट धीरज का गिरा। धीरज ने 37 गेंदों पर 50 रन बनाए। अभिषेक बनिक ने 34 गेंदों पर 61 रनों की आतिशी पारी खेली। मनीष ने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि राजीव ने 4 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने रोहित और लीलेश मैदान में उतरे और मैच के दूसरे ही ओवर में टीम के 7 रनों के स्कोर पर रोहित शून्य पर पविलियन लौट गए। वहीं चंद्रशेखर ने भी 1 रन बनाया और गौरव की गेंदबाजी का शिकार हो गए। मनीष ने पारी संभालते हुए 47 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 51 रन बनाए। इस दौरान गौरव और वांछित ने 4-4 ओवर में 20-20 रन देकर क्रमशः 3 और 2 विकेट लिए। दूसरे मैच में राजपुताना रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 154 रन बनाए। इसमें राहुल और हेमंत की जोड़ी ने 4 ओवरों में 24 रन दिए। इसके बाद राहुल 17 रनों के व्यक्तिगत स्कोर पर आतिश की गेंद का शिकार हो गए, वहीं अगले ओवर में हेमंत भी 12 गेंदों में 6 रन बनाकर पविलियन लौटते दिखे। बाद में टीम के कप्तान सत्यम ने पारी संभालने की कोशिश की और 11 गेंदों में 17 रन बनाए, लेकिन आनंद की अगली ही गेंद पर वे एलबीडब्ल्यू हो गए।

सत्यम के जाते ही पिछले मैच के हीरो रहे करणदीप मैदान में उतरे और 35 गेंदों पर 36 रन बना दिए और शिवा का शिकार बने। शिवा ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। इधर लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगदलपुर वॉरियर्स के सलामी बल्लेबाज अक्षय और राजू पोयाम ने 3 ओवरों में 19 रनों की साझेदारी की। इसी बीच अक्षय गेंदबाज आलोक की गेंद पर बोल्ड हुए।

सोच बदल लो, जीवन बदल जाएगाः शक्ति राज

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

इन्टरनेशनल माइण्ड व मेमोरी मैनेजमेन्ट ट्रेनर ब्रह्माकुमार शक्तिराज सिंह ने कहा कि अपनी सोच को बदलने से जीवन बदल जाएगा। अनुसंधान से पता चला है कि हमारे मन में पूरे दिन भर में साठ हजार के लगभग विचार पैदा होते हैं जिसमें से साठ प्रतिशत फालतू (व्यर्थ) होते हैं। अब हमें इन विचारों की गति को कम करना है। ताकि हमारी शक्ति व्यर्थ में खत्म न हो। ब्रह्माकुमार शक्तिराज सिंह आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित खुशियों की चाबी नामक कार्यक्रम के दूसरे दिन मन का सकारात्मक प्रबन्धन विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के पास सोफासेट, ड्राईंग सेट, क्राकरी सेट, ज्वेलरी सेट आदि सभी सेट रखे हुए हैं लेकिन माउण्ड सेट नहीं है। वह अपसेट पड़ा हुआ है। उन्होंने बतलाया कि इस देश में बड़े-बड़े मेडिकल कालेज, इन्जीनियरिंग कालेज, लॉ कालेज आदि सब मिल जाएंगे लेकिन माइण्ड को सेट करना सिखाने के लिए कोई कालेज नहीं है। यह कार्य ब्रह्माकुमारी संस्थान में सिखलाया जाता है। माइण्ड को सेट करने के लिए राजयोग मेडिटेशन सबसे अच्छा तरीका है। जैसे मोबाईल की बैटरी को रोज चार्ज करते हैं, उसी प्रकार माइण्ड को भी रोज चार्ज करने की जरूरत है। रात को जब हम सोते हैं तो सिर्फशरीर को आराम मिलता है किन्तु मेडिटेशन करने से आत्मा को शान्ति की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि डिस्चार्ज होती है। घर में यदि कलह-क्लेष है इसका मतलब है कि बैटरी डिस्चार्ज है। मेडिटेशन के माध्यम से परमात्मा को याद करने से परमात्म शक्ति हमें प्राप्त होती है। उन्होंने बतलाया कि यदि लगातार इक्कीस दिनों तक खराब रिलेशन वाले व्यक्ति को पाजिटिव वायब्रेशन दिए जाएं तो उसके प्रभाव से खराब रिलेशन भी ठीक हो जाते हैं। उन्होंने निगेटिविटी को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय बतलाते हुए कहा कि हम सभी आत्माएं एक पिता परमात्मा की सन्तान होने के कारण आपस में भाई-भाई हैं। जब यह ईश्वरीय ज्ञान हमें मिल जाता है और हम सामने वाले को जो है जैसा है स्वीकार कर लेते हैं तो अस्सी प्रतिशत झगड़ा समाप्त हो जाता है। आत्मा एक सूक्ष्म शक्ति है। उनके साथ हमारा कार्मिक एकाउण्ट बनता जाता है। जो कि हमें अपने जीवन में चुकाकर बराबर करना होता है। इसलिए जीवन में जब भी कोई विपरीत परिस्थिति आए, दुःख या संकट आए तो सदैव यह समझना कि पिछले जन्म का हिसाब-किताब खत्म हो रहा है। इससे स्ट्रेस फ्री बने रहेंगे।